vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 13 vad % 22 y[kuÅ] c)okj 14 fl rEcj 2022 l 20 fl rEcj 2022 rd i"B&8 eY; % ,d

कोविड-१६ के देश में २४ घंटे में ४,३६६ नए मामले, कम हो रहा कोरोना का कहर

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–१६ के ४,३६६ नए मामले आने से देश संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर ४,४५,०४,६४६ हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या ४७,१७६ से घटकर ४६,३४७ रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मगलवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के अनुसार, कोविड–१६ से २० और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर ५,२८,१८५ हो गई है, जिसमें संक्रमण से मौत की पुष्टि के बाद शामिल किए गए केरल के सात मामले भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल संक्रमितों का ०.१० प्रतिशत शामिल है, जबकि कोविड–१६ से ठीक होने वालों की राष्ट्रीय दर बढ़कर ६८.७१

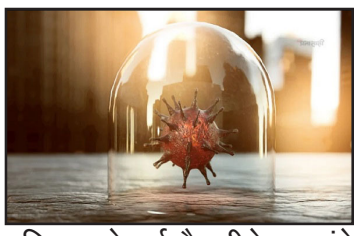

प्रतिशत हो गई है। बीते २४ घंटे की अवधि में उपचारधीन मरीजों की संख्या में ८२६ की गिरावट दर्ज की गई है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ६० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २५ जनवरी को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

विश्व डेयरी सम्मेलन २०२२ में बोले अमित शाह, भारत ने दुनिया को दिया कोऑपरेटिव मॉडल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्रेटर नोएडा में श्विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन २०२२ सहकारी समितियों की प्रासंगिकताश में हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि १६७४ के बाद पहली बार आज इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन के डेयरी शिखर सम्मेलन का आयोजन भारत में हो रहा है। १६७४ में दूध उत्पादन में विश्व में भारत कहां खड़ा था और २०२२ में हम आत्मनिर्भर होकर निर्यातक होकर दुनिया के सामने खड़े हैं। २०२४ के चुनाव से पहले हम २ लाख और डेयरियां बनाएंगे। अमित शाह ने कहा कि हम जैविक डेयरी उत्पादों के प्रमाणन, विपणन और निर्यात के लिए ३ बहु–राज्य सहकारी समितियां बना रहे हैं। अमूल पायलट प्रोजेक्ट का बनेगा और महीने के अंत तक एक्सपोर्ट हाउस का रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। डेयरी क्षेत्र में सहकारी संस्थाएं महिलाओं को सशक्त बनाती हैं और विभिन्न स्तरों पर ग्रामीण विकास में मदद करती हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार ने जो लक्ष्य तय किए हैं उस लक्ष्य के अनुरूप अगर हमें प्रदेश में रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्र में स्वावलंबन के लिए एक नए आंदोलन को खड़ा करना है तो सहकारिता और डेयरी दोनों सेक्टर को मिलकर हमें आगे बढ़ाना पड़ेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोगों, खासकर युवाओं से एकजुट होने

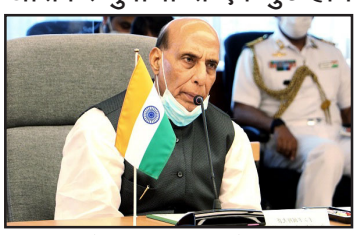

और नशे की लत के खिलाफ लड़ने की अपील की। उन्होंने इसे देश की प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा करार दिया। सिंह यहां सामाजिक न्याय और अधि ाकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'एनसीसी कैडेट के साथ संवाद और मादक पदार्थों की लत के खिलाफ शपथ' समारोह में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट और युवाओं को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा, "भारत विश्व की एक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ बाधाएं हैं, जो हमें अपनी वास्तविक क्षमता को प्राप्त करने से रोक रही हैं। मादक पदार्थों की लत एक ऐसी ही बाधा है। तमाम खूबियों के बावजूद हमारा देश अभी तक विकसित देशों की कतार में खड़ा नहीं हो पाया है, क्योंकि यहां बहुत से लोग हैं, खासकर युवा, जो नशे की चपेट में हैं।" उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल समाज में कानून–व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है।

१५ सितंबर तक प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना

लखनऊ। राजधानी और आसपास के जिलों में आज सुबह से ही ध ूप–छांव का खेल जारी है। कभी बादलों की आवाजाही हो रही है तो कभी कड़ी धूप से उमस बढ़ जाती है। मौसम विभाग ने १५ सितंबर तक प्रदेशभर में हल्की बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश से सटे जिलों और कुछ पूर्वी और पश्चिमी जिलों में गरज–चमक के साथ तेज बरसात हो सकती है। इस दौरान लखनऊ में भी हल्की बारिश की उम्मीद बन रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार, आने वाले तीन दिनों में तापमान में खास परिवर्तन नहीं होंगे लेकिन उसके बाद बारिश के चलते एक सप्ताह तक दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को राजधानी और आसपास के जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, ३० से ४० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने के लिए भी चेतावनी जारी की गई है।

ज्ञानवापी पर हिंदू पक्ष की जीत

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में पूजा अर्चना को लेकर चल रहे मुकदमे पर पहली जीत हिंदू पक्ष की हुई है। अदालत ने मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की याचिका को खारिज करते हुए हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिका को सुनवाई के योग्य माना है। इस याचिका में ज्ञानवापी परिसर में स्थित मां शृंगार गौरी के नियमित दर्शन–पूजन की मांग की गई है। अब आगे इस याचिका पर सुनवाई होगी। अगली सुनवाई २२ सितंबर को तय की गई है। वाराणसी की जिला अदालत ने यह फैसला सुनाया है। राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने वाराणसी की जिला अदालत में याचिका दायर कर मां शृंगार गौरी की हर दिन पूजा अर्चना की इजाजत देने की मांग की थी। उनकी तरफ से हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन ने मुकदमा लड़ा था। सोमवार को फैसले के समय राखी सिंह तो अदालत में नहीं थीं लेकिन हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन अदालत में मौजूद थे। जिला अदालत ने सुनवाई के बाद २४ अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को फैसला सुनाते हुए अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद में शृंगार गौरी मंदिर में हर रोज पूजा करने की याचिका को जायज ठहराया है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि याचिका सुनने योग्य है। अदालत ने मस्जिद पक्ष की तरफ से दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इसमें मेरिट नहीं है। जिला अदालत

के जज एके विश्वेश ने साफ किया कि यह मामला १६६१ में बने धर्मस्थल कानून के दायरे में नहीं आता है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था, जहां २० मई को सर्वोच्च अदालत ने वाराणसी जिला जज को याचिका की मेरिट पर फैसला करने का आदेश दिया था। वाराणसी जिला जज एके विश्वेश ने २४ अगस्त को सुनवाई पूरी की थी। पांच हिंदू महिलाओं की ओर से दायर की गई याचिका पर अदालत ने मस्जिद में सर्वे करने का आदेश भी दिया था। इस सर्वे के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि मस्जिद के तहखाने में शिवलिंग मौजूद है। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष ने इसे फव्वारा बताया था। सर्वे टीम की रिपोर्ट देखने के बाद अदालत ने हिंदू पक्ष के शिवलिंग के दावे वाली जगह को सील करने और हर जगह यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। बहरहाल, अब अदालत के फैसले के बाद इस पर सुनवाई होगी कि मां शृंगार गौरी की हर दिन पूजा की इजाजत दी जाए या नहीं। इससे पहले सोमवार को फैसला सुनाए जाने की खबर आने के बाद वाराणसी में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। वाराणसी के पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने फैसले से पहले बताया था– शहर के संवेदनशील इलाकों में धारा १४४ लागू है। शहर में हिंदू–मुस्लिमों की मिली–जुली आबादी वाले इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। पुलिस ने कुछ इलाकों में बीती रात से ही गश्त बढ़ा दी थी, ताकि आदेश के बाद कानून–व्यवस्था के हालात न बिगड़ें।

सम्पादकीय

वेतन वृद्धि में लगातार गिरावट एक बड़ा सिरदर्द

मार्केट रिसर्च एजेंसी इंडिया रेटिंग्स ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में बताया है कि देश में वेतन वृद्धि में लगातार हो रही गिरावट एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। इस गिरावट का परिणाम उपभोग घटने के रूप में सामने आया है। उसका असर पूरी अर्थव्यवस्था पर हो रहा है। २०१७ से २०२२ तक ये गिरावट अनवरत जारी है। इन वर्षों में उन परिवारों की आमदनी असल में ५.७ प्रतिशत घटी है, जिनका देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में योगदान ४४–४५ फीसदी रहता है। यानी अर्थव्यवस्था का जो मूल्य बढ़ता है, उसमें लगभग आधा योगदान करने वाले परिवारों की आमदनी बीते छह साल में गिरती चली गई है। ऐसे में अगर बाजार में मांग नहीं है, तो उसमें हैरत की बात क्या है। इंडिया रेटिंग्स ने उचित ही यह कहा है कि आमदनी गिरने के इस ट्रेंड से परिवारों की क्रय शक्ति घटी है। यह एक ऐसी बात है, जिसका अंदाजा हर व्यक्ति को अपने आस–पास की स्थिति को देख कर लग सकता है। और जब यह हाल हो, तो क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि पिछले हफ्ते जारी हुए संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक में भारत का दर्जा गिर गया। अब १८० देशों की इस सूची में भारत १३२वें नंबर पर है। जब आम परिवारों की आमदनी गिर रही हो और सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाने वाली सामाजिक सुरक्षाएं लचर होती जा रही हों, तो जिन पैमानों पर मानव विकास को मापा जाता है, उन पर देश की सूरत का खराब होना एक स्वाभाविक घटना ही मानी जाएगी। लेकिन वर्तमान सरकार को इन बातों से संभवतः चिंता नहीं होती। फिलहाल, उसे अपने समर्थकों को सुखबोध में रखने के लिए इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में हासिल हुई १३.५ प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर है। इंडिया रेटिंग्स ने उचित ही चेतावनी दी है कि एक तो यह वृद्धि निम्न आधार पर दर्ज हुई है, इसलिए इसे ज्यादा अहमियत नहीं देनी चाहिए, और दूसरे अगर लोगों की क्रय शक्ति गिरती रही, तो कोई भी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। स्पष्टतः इससे अधिक साफ शब्दों में कोई चेतावनी नहीं दी जा सकती।

यूपी में लोकसभा चुनावों से पहले पोस्टर वॉर शुरू

लखनऊ। यूपी में लोकसभा चुनावों से पहले पोस्टर व र शुरू हो गया है। बीते महीने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जनता दल यूनाइटेड के अलग होने और राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन सरकार बनाने के बाद उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह ने बीते दिनों एक पोस्टर ट्वीट किया और सपा के दफ्तर के बाहर भी लगाया जिस पर लिखा था "यूपी. बिहार = गई मोदी सरकार." सपा नेता के इस पोस्टर पर राज्य के डिप्टी सीएम

ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखते हैं। वहीं अब जारी हुए नए पोस्टर में सपा नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधा गया है। पोस्टर में सपा के पोस्टर का जिक्र किया गया है, इस पोस्टर में लिखा गया –"पहले राहुल भैया, फिर माया बुआ, फिर राजभर व चाचा का मूर्ख बनाया है, जो अपने खून का सगा ना हुआ उसे बिहार याद आया है." उत्तर प्रदेश नव निर्माण सेना की ओर से जारी पोस्टर में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और बिहार के सीएम नीतीश कुमार की फोटो भी लगाई गई है।

जिले की किसी भी तहसील में करा सकते हैं बैनामा

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर अब प्रदेश में किसी को भी रजिस्ट्री के लिए इंतजार नहीं करना होगा। आज से प्रदेश की किसी भी तहसील में लोग रजिस्ट्री करा सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को बताया कि पहले १८ मंडल मुख्यालयों पर व्यवस्था लागू होगी। अब किसी को भी अपने मकान या फिर संपत्ति की रजिस्ट्री कराने के लिए अधिक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। सोमवार से प्रापर्टी की रजिस्ट्री की प्रक्रिया आसान होगी। लोग अपने जिले में

दूसरे तहसील में जमीन रजिस्ट्री करवा सकेंगे जहां पर लाइन कम लगती हो। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने सोमवार से पूरे प्रदेश में इस नियम को लागू करने का आदेश जारी है। आज से पूरे प्रदेश में यह नियम लागू होगा। इसके आलावा योगी आदित्यनाथ सरकार ने अब घर के किसी भी सदस्य के नाम संपत्ति की रजिस्ट्री करने का मोटा स्टांप शुल्क खत्म कर दिया है। नई स्कीम के तहत आप सिर्फ ५००० रुपए स्टांप शुल्क और एक हजार रुपए प्रोसेसिंग फीस देकर संपत्ति की रजिस्ट्री करा सकते हैं।

छात्र ने खुद ही अपने अपहरण का व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर मोबाइल किया बंद, पहुंच गया दिल्ली

लखनऊ। स्कूल की छुट्टी के बाद घर के लिए निकला छात्र दिल्ली पहुंच गया। इसके बाद घर वालों को खुद के अपहरण का व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर मोबाइल बंद कर लिया। उधर खोजबीन के बाद भी छात्र का सुराग नहीं लगा तो घबराए परिजनों ने बाजारखाला कोतवाली में तहरीर देते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद पुलिस सर्विलांस की मदद से छात्र का मोबाइल नंबर ट्रेस किया तो उसकी लोकेशन दिल्ली में मिली। किसी तरह पुलिस ने छात्र की बात उसकी मां से कराई तो वह भावुक हो गया। रविवार को छात्र लखनऊ पहुंचा तो परिजनों की आंखे नम हो गई। सेंट जोजफ स्कूल की राजाजीपुरम ब्रांच में एक किशोर नौवीं क्लास में पढ़ाई करता है। वह अपनी ननिहाल में रहता है। उसके पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां गृहणी है। बताया जा रहा है कि बीते एक महीने छात्र रोजाना घर से स्कूल के लिए निकलता था मगर वह स्कूल पहुंचने के बजाए मॉल और पार्क में मौजमस्ती करता था। छात्र के व्यवहार में अचानक बदलाव होता देखकर उसकी मौसी ने टोका और बड़ी बहन को इस बात की जानकारी दी। तो छात्र की मां के कहने पर उसकी मौसी ने स्कूल चलकर जायजा लेने की बात कही। बता दें कि शनिवार की सुबह छात्र को अपनी मां के साथ स्कूल जाना था। यह बात सोचकर वह काफी परेशान था। उसे इस बात का डर था कि अगर उसकी मां स्कूल जाती है तो उसकी पोल खुल जाएगी। इस डर से छात्र शनिवार की सुबह घर छोड़कर निकल गया। वह राजाजीपुरम टैक्सी स्टैंड से सीधा चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचा और किसी ट्रेन में सवार होकर दिल्ली पहुंच गया। बता दें कि स्कूल की छुट्टी दोपहर दो बजे होती है मगर दो शाम तक वह घर नहीं पहुंचा। परिजन उसे तलाशते हुए स्कूल पहुंचे तो पता चला कि वह एक महीने से स्कूल नहीं आया। यह सुनकर परिजनों का होश उड़ गया। रिश्तेदारों समेत छात्र के दोस्तों से भी परिजनों ने पूछताछ की मगर कहीं उसका पता नहीं चला। शाम साढ़े पांच बजे छात्र के नंबर से उसकी मां के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। जिसमें छात्र ने कुछ लोगों पर अपहरण का आरोप लगाया है। उस मैसेज में छात्र ने लिखा था कि मैं क ल उठा नहीं सकता सिर्फ मैसेज से ही बात हो सकती है। ऐसा ही मैसेज छात्र ने अपने नाना को भी किया। उधर बेटे के अपहरण की सूचना पर परिजन घबरा गए और वह बाजारखाला कोतवाली पहुंच गए। बेटे को बरामद करने के लिए परिजन हंगामा करने लगे। मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से छात्र की लोकेशन को ट्रेस किया। मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस को उसकी लोकेशन दिल्ली में मिली। इस सम्बन्ध में बाजारखाला थाना प्रभारी विनोद यादव ने बताया कि लखनऊ से निकलने के बाद छात्र ने मोबाइल बंद कर लिया था। किसी तरह छात्र की व्हाट्सएप काल पर उसकी मां से बात कराई गई। इसके बाद मां ने बेटे को घर लौटने के लिए कहा और वह कॉल पर रोने लगी। मां की रोने की आवाज सुनकर छात्र भावुक हो गया। इसके बाद उसने घर लौटने की बात कही और रविवार की सुबह छात्र वापस घर लौट आया।

निजी अस्पतालों की शिकायतों पर साल भर बाद भी कार्रवाई नहीं, ३०० से ज्यादा शिकायतें लंबित

लखनऊ। कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिले इसलिए तीमारदारों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बावजूद कई मरीजों की मौत हो गई। पानी की तरह पैसा बहाने के बाद भी तीमारदार मरीज को जिंदा घर नहीं ले जा सके। उन्हें लगा ड क्टरों ने इलाज में लापरवाही हुई है तो उन्होंने मामले की शिकायत सीएमओ से की। इस आस में की कि उन्हें इंसाफ मिलेगा। मगर आज एक साल बाद भी अबतक स्वास्थ्य विभाग इन मामलों की जांच पूरी नहीं कर पाया। कोरोना में संक्रमित मरीजों के इलाज के एवज में निजी अस्पतालों ने तीमारदारों से जमकर पैसे लिए। मरीज को अच्छा इलाज मिले इसके लिए तीमारादारों ने पैसा खर्च करने में किसी प्रकार की कसर भी नहीं छोड़ी। लेकिन, तीमारदारों द्वारा खर्च किया हुआ पैसा मरीजों की जान नहीं बचा सका और उनकी मौत हो गइ। तीमारदारों को इलाज में लापरवाही का शक हुआ तो उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में मामले की सूचना देते हुए शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार राजधानी के विभिन्न निजी अस्पतालों पर करीब १००० से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई थीं। इनमें ज्यादा तर शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिसमें कुछ ऐसे थे जिनमें तीमारदार खुद बयान देने नहीं आए। तो कुछ ऐसे थे जिनमें तीमारादारों और अस्पताल संचालकों ने आपसी तालमेल कर समझौता कर लिया। जिसके बाद अब इनमें कुल ३०० फाइलें एसी हैं जिसका निस्तारण होना बाकी है। इन शिकायतों को सीएमओ दफ्तर पहुंचे हुए एक साल से भी ज्यादा का समय हो चुका है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोरोना में तीमारदारों द्वारा की गई शिकायतों के निस्तारण के लिए कमेटी बनाई गई है। सभी शिकायतें जल्द निस्तारित हो जाएंगी।

मोबाइल और नकदी लूटकर बदमाश फरार

लखनऊ । दुबग्गा थानाक्षेत्र के जागर्स पार्क के पास शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने युवक से मोबाइल समेत नकदी लूट ली और वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। पीड़ित ने सूचना पुलिस को देने के बाद दुबग्गा कोतवाली में तहरीर दी है। लूट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि, संबधित पुलिस ने घटना से इंकार किया है। मूलरूप से हरदोई जनपद के अतरौली थानाक्षेत्र के गांव भरावन निवासी मनोज कुमार आईआईएम डेंटेल क लेज में काम करता है। शनिवार रात करीब ६.३० बजे वह दुबग्गा जा रहा था। रास्ते में जागर्स पार्क के पास पीछे से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने मनोज का मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित जब तक शोर मचाता दोनों बदमाश मौके से भाग चुके थे। मनोज के मुताबिक मोबाइल के कवर में दस हजार रूपए रखे थे। पीड़ित ने बताया कि दोनों बदमाश पुरानी डिस्कवर बाइक पर सवार थे। मनोज ने इसकी सूचना पुलिस को देने के बाद थाने पर तहरीर दी है। मामले की जानकारी पर कार्यवाहक इंस्पेक्टर राजेन्द्र कांत शुक्ला ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। नाइट अफसर दरोगा नीलेन्द्र से इसकी जानकारी होगी, पता करके बताते है।

विरासत के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन धर्म–संस्कृति की विशेषता : सीएम योगी

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सृष्टि, प्रकृति, पूर्वजों तथा विरासत के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन ध र्म–संस्कृति की पहली विशेषता है। सनातन हिंदू धर्म संस्कृति में यही कृतज्ञता का भाव हमें निरंतर आगे बढ़ने की नई प्रेरणा प्रदान करता है। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की ५३वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की ८वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत मंगलवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हनुमान जी जब लंका में जा रहे थे तब पर्वत ने उनसे प्रश्न किया था कि सनातन धर्म की परिभाषा क्या है? उन्होंने जवाब दिया था कि कोई आप पर कृपा करे तो उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना ही सनातन धर्म का कर्तव्य है। यही इसका पहला लक्षण भी है। हर सनातन धर्मावलंबी इस भाव को ठीक से समझता है। गोरक्ष पीठाधीश्वर ने कहा कि जीवन चक्र जड़–चेतन के बेहतर समन्वय से चलता है। यही कारण है कि हमारे सनातन धर्म ने वनस्पतियों, जीव–जंतुओं के महत्व को समान रूप से स्वीकार किया है। वर्ष में दो बार हम नवरात्र के जरिये सृष्टि की आदि शक्ति के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करते हैं तो वर्ष में एक पक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता हेतु तर्पण करते हैं। पर्व, त्योहारों के प्रति लगाव भी कृतज्ञता ज्ञापित करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वजों के प्रति अपनी विरासत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की गोरक्षपीठ की अद्भुत परंपरा है। पितृपक्ष की तृतीया तिथि को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी तथा चतुर्थी तिथि को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी की पुण्यतिथि एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इस अवसर पर यहां होने वाले

आयोजन में ब्रह्मलीन आचार्यद्वय की पुण्य स्मृतियां स्वतः ही जुड़ जाती हैं। इस अवसर पर महंतद्वय ने धर्म, समाज व राष्ट्र के लिए जिन मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य व सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को लोक कल्याण से जोड़ा, उन्हें और आगे ले जाने की प्रेरणा भी मिलती है। सीएम योगी ने कहा कि १८५७ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत ने गोरक्षपीठ के तत्कालीन महंत गोपालनाथ जी को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर आरोप था कि वह क्रांतिकारियों को प्रश्रय देते थे। जब भी जरूरत पड़ी सनातन धर्म की रक्षा के लिए संतो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि धर्म व राष्ट्र की रक्षा के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र का संधान करने की हमारे संत समाज की समृद्ध परंपरा रही है। यह हमारी हजारों वर्षों की विरासत भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्स्थापित करना आवश्यक है। नैमिषारण्य धाम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह धाम हमारी वैदिक परंपरा को लिपिबद्ध करने की धरती है। पर, वर्तमान में कम ही लोग इसे जान पाते हैं। पूरी दुनिया जब कोरोना महामारी से त्रस्त थी तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाए। यह शिक्षा नीति युवाओं को सैद्धांतिक व व्यवहारिक ज्ञान देने के साथ तकनीकी ज्ञान में भी सक्षम बनाने का माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारी प्राचीन गुरुकुल परंपरा को आधुनिक स्वरूप देने का एक सारगर्भित प्रयास भी है। सीएम ने कहा कि आज पूरी दुनिया नए भारत की शक्ति को स्वीकार कर रही है। कोरोना के संकटकाल में पूरी दुनिया ने आयुर्वेद व आयुष की ताकत का लोहा माना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से २१ जून को विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है। वैश्विक मंच पर २०० देश इस आयोजन से जुड़कर योग की महत्ता से परिचित हो रहे हैं। कुंभ २०१६ में स्वच्छता, सुरक्षा सुव्यवस्था का एक नया मानक स्थापित हुआ। वैश्विक मंच पर इसे मानवता की अमूल्य सांस्कृतिक ध रोहर के रूप में मान्यता मिली। सीएम योगी ने कहा कि हमारी कमी यह है कि हम किसी घटना के मूल्यांकन का प्रयास नहीं करते। हम सफलता को व्यक्तिगत पुरुषार्थ मान लेते हैं। सफलता व्यक्तिगत नहीं होती बल्कि यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम होती है सफलता में टीम के एक–एक सदस्य का योगदान होता है। जैसे सेतुबंध के निर्माण में विशाल वानर–भालुओं से कम योगदान गिलहरी का भी नहीं रहा। गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ ५३ वर्ष पूर्व ब्रह्मलीन हुए लेकिन तब से ऐसा कोई वर्ष नहीं जब उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का साप्ताहिक कार्यक्रम न होता हो। इसी क्रम में वर्ष २०१७ में योगीराज गंभीरनाथ की स्मृति में पुण्यतिथि शताब्दी महोत्सव का आयोजन किया था। इन आयोजनों में ज्वलंत मुद्दों पर संतजनों व विद्वानों का मार्गदर्शन समाज को प्राप्त होता है। दिग्विजयनाथ जी ने गोरक्षपीठ को वर्तमान स्वरूप दिया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की नींव रखकर शैक्षिक क्रांति की ज्वाला जलाई। उनके अभियान को महंत अवेद्यनाथ ने आगे बढ़ाया। यह देखकर आत्मिक संतुष्टि होती है कि गोरक्षपीठ की संस्थाएं अपने संस्थापकों की भावनाओं के अनुरूप युगानुकूल और देशानुकूल आगे बढ़ रही हैं। श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के चित्रों पर पुष्पांजलि से हुआ। वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्ष अष्टक का पाठ गौरव तिवारी व आदित्य पांडेय तथा दिग्विजय स्त्रोत का पाठ डॉ अभिषेक पांडेय ने किया। सरस्वती वंदना एवं श्रद्धांजलि गीत की प्रस्तुति महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की छात्राओं ने की। इस अवसर पर अशर्फी भवन(अयोध्या) के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य, हरिधाम (अयोध्या) से आए जगद्गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य, काशी से आए महंत रामकमल वेदांती, अमृतनाथ आश्रम सीकर (राजस्थान) के महंत नरहरिनाथ, भीड़भजन (गुजरात) के महंत कमलनाथ के साथ ही अलग–अलग धर्मस्थलों से पधारे महंत शेरनाथ, योगी कमलचंद्र नाथ, महंत देवनाथ,, महंत लालनाथ, महंत देवनाथ, महंत राममिलन दास, महंत मिथलेश नाथ, महंत रविंद्रदास, योगी रामनाथ, महंत पंचाननपुरी, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि समारोह मेंसुग्रीव किलाधीश (अयोध्या) से पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने कहा कि विभिन्नता में एकता का दर्शन गोरक्षपीठ की परंपरा रही है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ के इसी अभियान को योगी आदित्यनाथ आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनमें सहजता, सौम्यता और सरलता पूर्ववत है। आजादी के बाद भारत माता को जिन सपूतों की जरूरत थी, वह योगी आदित्यनाथ जैसे सपूतों के रूप में अब जाकर मिले हैं। योगी जी की चर्चा आज विश्व में है। उनके जैसा नेतृत्वकर्ता पूरे विश्व में कोई और नहीं है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को बंद कराने के लिये लिखा पत्र, हुआ वायरल

लखनऊ। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तरफ से अल्पसंख्यक विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिख कर गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को बंद कराने की बात कही थी। इस पत्र में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की जो खामियां गिनाई गयी, उससे गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की जो तस्वीर निकल कर सामने आई वह काफी भयावह बताई जा रही है। आज वह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पूर्व आयोग की सदस्य ड . शुचिता चतुर्वेदी ने लखनऊ के गोसाईगंज स्थित मदरसे का निरीक्षण किया । बताया जा रहा है कि उस मदरसे में दो बच्चों को पैरों में जंजीर बांधकर रखा गया था, साथ ही उस मदरसे में अनेक अनियमिततायें भी पायी गयी। जांच के दौरान ही पता चला कि यह मदरसा गैर मान्यता प्राप्त था, जिसका संज्ञान आयोग द्वारा लिया जा चुका है। उसके बाद आयोग की तरफ से अल्पसंख्यक विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा गया,जिसमें कहा गया कि पूर्व निरीक्षणों में प्रदेश में कई मदरसे गैर मान्यता प्राप्त व विधि विरुद्ध संचालित हो रहे है। ऐसे मदरसे बच्चों को स्कूली यानी कि शिक्षा से वंचित कराकर अपने यहाँ प्रवेश ले रहे है, जिनमें कुछ मदरसों में बच्चों के साथ शारीरिक, मानसिक एवं

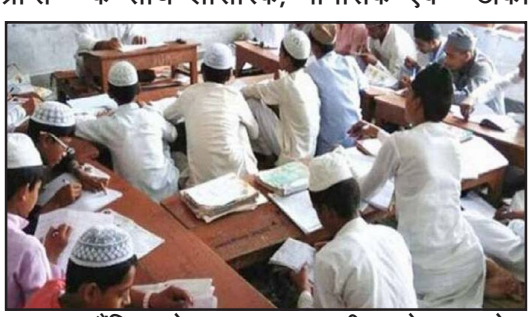

लैंगिक शोषण का प्रकरण भी आयोग के संज्ञान में आया है। ऐसे गैर मान्यता प्राप्त मदरसों की निगरानी किसी भी विभाग द्वारा नहीं हो पाती है। जिसके कारण ऐसी अमानवीय घटनाओं की जिम्मेदारी कोई विभाग लेने को तैयार नहीं होता है। ऐसे मदरसो में पढ़ने वाले बच्चे गुणवत्तापरक शिक्षा, सु ढ स्वास्थ्य, सर्वांगीण विकास आदि से वंचित हो रहे है तथा समाज की मुख्य धारा से भी दूर होते जा रहे है। आयोग ने यह भी कहा कि ६–१४ वर्ष के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा न देना उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। यह बच्चे कला, आगनवाडी केन्द्रों पर पंजीकृत न होने के कारण सरकार की मिड–डे मील योजना, पुष्टाहार, टीकाकरण प्राप्त होने से भी वंचित रह जाते है। जिसके कारण बच्चों का सर्वांगीण विकास नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय बाल नीति २०१३ के अनुसार बच्चे देश की धरोहर है। बचपन को जीवन का अटूट अंश माना गया है और यह अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। प्रदेश का प्रत्येक बच्चा देश का भविष्य है। देश की उन्नति में बच्चों की अहम भूमिका होती है कुछ मदरसों के द्वारा बच्चों के साथ क्रूरतापूर्वक व्यवहार किया जा रहा है। जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद २१ए एवं ३६ (एफ) की अवहेलना है। ऐसे में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को चिन्हित कर उन्हें बंद कराया जाये,साथ ही की गयी कार्रवाई से आयोग को अवगत भी कराया जाये।

निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी ने किया मंथन

लखनऊ। यूपी में आगामी निकाय चुनाव और सेवा पखवाड़ा को लेकर भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों ने आज पार्टी मुख्यालय पर मंथन किया। इस मंथन बैठक की अध्यक्षता यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने की। बैठक में यूपी प्रभारी राधा मोहन सिंह और संगठन महामंत्री धर्मपाल के साथ प्रदेश पदाधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में आगामी निकाय चुनाव और सेवा पखवाड़े की तैयारियों पर मंथन हुआ। भाजपा यूपी के नगर निकाय चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करना चाहती है। लिहाजा इसके लिए नई रणनीति तैयार हुई। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी को प्रदेश में लगातार मिल रही सफलता का प्रमुख कारण पदाधिकारियों से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति संकल्पित होकर

काम कर रही है। बैठक के दौरान पीएम के जन्मदिवस १७ सितम्बर से २ अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रमों की योजना पर चर्चा हुई। आगामी नगर निकाय के चुनावों और विधान परिषद के शिक्षक व स्नातक क्षेत्र के चुनावों को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई।

भ्रष्टाचारियों पर होगी कार्रवाई योगी आदित्यनाथ

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य की पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि २०१७ से पहले की सरकारों में पारदर्शिता नहीं थी और भ्रष्ट्राचार था तथा

हर चीज के 'दाम' तय होते थे। प्रदेश की जौनपुर जिले की २५८ करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद मुख्यजमंत्री योगी आदित्यडनाथ ने शुक्रवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'भ्रष्टाचार २०१७ के पहले की सरकारों के 'जीन' में शामिल था। तब अपने ठेकेदारों और गुर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार योजनाएं बनाती थीं, हर 'काम' का 'दाम' पहले से तय होता था।' उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसते हुए कहा, 'सत्तापोषित भ्रष्टाचार का यह रैकेट घून की तरह पूरे प्रदेश की व्यवस्था को खोखला कर रहा था, जिसका खामियाजा पूरे प्रदेश को भुगतना पड़ता था। लेकिन आज परीक्षाएं हों या नियुक्तियां, सबमें शुचिता और पारदर्शिता है।' भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आर–पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए योगी ने दावा किया, 'बीते पांच सालों में जैसे माफिया राज का खात्मा कर प्रदेश को दंगामुक्त बनाया गया है, अब उसी तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम शुरू होगी। भ्रष्टाचारी कोई भी हो, उसे कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और उसकी सात पीढ़ियों की इकट्ठा की गई संपत्ति का भी अधिग्रहण किया जाएगा और उसका उपयोग गरीबों के हित में होगा।'

सुनील बंसल का कद बढ़ा या घटा?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठन महामंत्री रहे आरएसएस के नेता सुनील बंसल को भाजपा की केंद्रीय टीम में लाया गया था तो इसकी बड़ी हाइप बनी थी। वे बहुत हाई प्रोफाइल नेता हैं। तभी पार्टी का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने और तीन राज्यों का प्रभार मिलने पर काफी चर्चा हुई थी। उनको पश्चिम बंगाल, ओड़िसा और तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया था। लेकिन इन राज्यों में नए प्रभारी बना दिए गए हैं। बिहार सरकार में मंत्री रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंगल पांडेय को पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया है। तरुण चुघ तेलंगाना के प्रभारी की भूमिका निभाएंगे और डी पुरंदेश्वरी भी ओड़िसा की प्रभारी की भूमिका निभाती रहेंगी। सवाल है कि जब तीनों राज्यों के तीन प्रभारी रहेंगे तो सुनील बंसल क्या करेंगे? क्या सुनील बंसल को संघ के सिस्टम की तरह क्षेत्रीय प्रभारी बनाया गया है? ध्यान रहे संघ में हर राज्य में प्रांत प्रचारक होते हैं और उनसे ऊपर क्षेत्रीय प्रचारक होते हैं। तो क्या बंसल वह भूमिका निभाएंगे? कहा जा रहा है कि उनकी एक राज्य का प्रभारी नहीं बुलाया जाएगा, बल्कि सीधे राष्ट्रीय महामंत्री कहा जाएगा। सो, राष्ट्रीय महामंत्री के नाते वे क्या भूमिका निभाएंगे? भाजपा नेताओं के बीच यह सवाल पूछा जा रहा है कि उनका कद बढ़ा है या घटा है? ध्यान रहे उत्तर प्रदेश में उनकी अति सक्रियता की वजह से कई बार सरकार और संगठन में टकराव की स्थिति बनी। इस वजह से काफी समय से उनको प्रदेश से हटाने की चर्चा हो रही थी। अब वे प्रदेश से हटा तो दिए गए हैं लेकिन कोई स्पष्ट जिम्मेदारी तय नहीं हुई है। वैसे भाजपा में संगठन का जो ढांचा है उसमें प्रदेश प्रभारी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है।

पत्रकार सिद्दीक कप्पन को जमानत मिली

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए बलात्कार कांड की रिपोर्टिंग के लिए जाने के क्रम में गिरफ्तार किए गए केरल के पत्रकार सिद्दीक कप्पन को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। करीब दो साल तक जेल में रहने के बाद उनको सर्वोच्च अदालत से सशर्त जमानत मिली है। चीफ जस्टिस यूयू ललित के साथ जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कप्पन को जमानत का फैसला किया। चीफ जस्टिस यूयू ललिता ने पिछले दिनों गुजरात सरकार की अपील खारिज करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को जमानत दी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कप्पन की जमानत का विरोध किया था। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा कि कप्पन के चरमपंथी संगठन प पुलर फ्रंट अ फ इंडिया यानी पीएफआई के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसका एक राष्ट्र विरोधी एजेंडा है। सरकार का कहना है कि सिद्दीक कप्पन देश में धार्मिक कलह और आतंक फैलाने की बड़ी साजिश का हिस्सा है। यह भी कहा गया कि कप्पन सीएए और एनआरसी और बाबरी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले व हाथरस की घटना को लेकर धार्मिक उन्माद फैलाने की साजिश का बड़ा हिस्सा है।

अद्भुत रेलवे स्टेशन : भूतिया रेलवे स्टेशन

अमरेन्द्र सहाय अमर

क्या भूतों का अस्तित्व है. क्या आपने कभी भूत देखा है क्या आप कभी किसी भूतिया जगह पर गए हैं? कुछ लोग कहेंगे नहीं बिलकुल नही , लेकिन कुछ लोग जा रहे हैं, जिसे भूतिया रेलवे स्टेशनकहा जाता है. इस रेलवे स्टेशन का खौफ इतना ज्यादा था कि यहां जाने से ना सिर्फ आम लोग बल्कि प्रशासन भी डरता था. इसी खौफ की वजह

से यहां ४२ सालों तक कोई ट्रेन नहीं रुकी. पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में यह भूतिया रेलवे स्टेशन है. यह रेलवे स्टेशन बेगुनकोदर रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता है. इस रेलवे स्टेशन का नाम देश के ३१० भूतिया स्टेशनश की लिस्ट में शामिल है. भारतीय रेलवे ने इस स्टेशन को साल १९६० में बनाया था. बेगुनकोदर रेलवे स्टेशन खुलने के कुछ सालों बाद तक सब–कुछ ठीक रहा, लेकिन इसके बाद यहां बहुत ही अजीबोगरीब घटनाएं सामने आने लगी थीं. साल १९६७ में रेलवे के एक कर्मचारी ने स्टेशन पर महिला भूत देखने का दावा किया था. इसके बाद इसी साल एक स्टेशन मास्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. कहा जाता है कि स्टेशन मास्टर ने सफेद साड़ी में एक महिला भूत देखा था, इसके बाद उनकी मौत हो गई. उस समय यह भी दावा किया गया था कि उस महिला की मौत उसी स्टेशन पर ट्रेन दुर्घटना में हुई थी. स्टेशन मास्टर की मौत के बाद उनका पूरा परिवार भी रेलवे क्वार्टर में मृत पाया गया था. इसके बाद लोगों ने कहा था कि स्टेशन मास्टर के परिवार के लोगों की मौत के पीछे उसी महिला भूत का हाथ है. लोगों का मानना था कि शाम ढलने के बाद कोई ट्रेन जब वहां से गुजरती थी तो वह महिला भूत ट्रेन के साथ दौड़ने लगती थी. कई लोगों ने महिला भूत को ट्रेन के आगे नाचते देखने करते हैं. इसके बाद लोग यहां आने से डरने लगे थे और कोई यात्री डर के मारे यहां उतरना नहीं चाहता था. धीरे–धीरे पूरा स्टेशन सुनसान और वीरान हो गया था. अब यहां पर रेलवे का भी कोई कर्मचारी नहीं आना चाहता था. इसके बाद बेगुनकोदर रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया था. करीब ४२ सालों तक यह रेलवे स्टेशन वीरान पड़ा रहा और यहां पर एक भी ट्रेन नहीं रुकी. इस स्टेशन से जब कोई ट्रेन गुजरती भी थी तो ड्राइवर उसकी स्पीड बढ़ा देता था. हालांकि साल २००६ में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने फिर से इस स्टेशन को शुरू करने का निर्देश दे दिया था।

भूतों से मिलने और उन्हें देखने का दावा भी करते हैं .भले ही आप भूतिया जगह पर गए नहीं होंगे लेकिन आपने भारत के कई भूतियाया डरावनी जगह के बारे में सुना जरूर होगा. वैसे तो वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूत–प्रेत जैसी कोई चीज होती नहीं है. आज हम आपको देश के एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताने

हिन्दी बने राष्ट्र भाषा...“हिन्दी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।”

डॉ. सौरभ मालवीय

ये शब्द बहुभाषाविद और आधुनिक भारत में भाषाओं का सर्वेक्षण करने वाले पहले भाषा वैज्ञानिक जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन के हैं। निःसंदेह हिन्दी देश के एक बड़े भू–भाग की भाषा है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह कहते थे कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। भारत में अनेकों भाषायें एवं बोलियां हैं। इसलिए यहां यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है– कोस–कोस पर पानी बदले, चार कोस पर वाणी। भाषा एक संवाद का माध्यम है। भारतीय संविधान में भारत की कोई राष्ट्र भाषा नहीं है। यद्यपि केंद्र सरकार ने २२ भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया है। इसमें केंद्र सरकार या राज्य सरकार अपने स्थान के अनुसार किसी भी भाषा का आधिकारिक भाषा के चयन कर सकती है। केंद्र सरकार ने अपने कार्यों के लिए हिन्दी तथा रोमन भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया है। इसके अतिरिक्त राज्यों ने स्थानीय भाषा के अनुसार भी आधिकारिक भाषाओं का चयन किया है। इन २२ आधिकारिक भाषाओं में असमी, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संतली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, बोड़ो, डोगरी, बंगाली एवं गुजराती सम्मिलित है। भारत की राष्ट्र भाषा को लेकर प्रारंभ से ही विवाद होता रहा है। इस संबंध में महात्मा गांधी कहते थे– ”अगर हमें एक राष्ट्र होने का अपना दावा सिद्ध करना है, तो हमारी अनेक बातें एक–सी होनी चाहिए। भिन्न–भिन्न धर्म और सम्प्रदायों को एक सूत्र में बांधने वाली हमारी एक सामान्य संस्कृति है। हमारी त्रुटियां और बाधाएं भी एक–सी हैं। मैं यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हमारी पोशाक के लिए एक ही तरह का कपड़ा न केवल वांछनीय है, बल्कि आवश्यक भी है। हमें एक सामान्य भाषा की भी जरूरत है– देशी भाषाओं की जगह पर नहीं, परन्तु उनके सिवा। इस बात में साधारण सहमति है कि यह माध्यम हिन्दुस्तानी ही होना चाहिए, जो हिन्दी और उर्दू के मेल से बने और जिसमें न तो संस्कृत की और न फारसी या अरबी की ही भरमार हो। हमारी रास्ते की सबसे बड़ी रुकावट हमारी देशी भाषाओं की कई लिपियां हैं। अगर एक सामान्य लिपि अपनाना संभव हो, तो एक सामान्य भाषा का हमारा जो स्वप्न है– अभी तो वह स्वप्न ही है– उसे पूरा करने के मार्ग की एक बड़ी बाधा दूर हो जाएगी।” यह दुखद है कि देश की एक बड़ी जनसंख्या द्वारा बोले जाने वाली हिन्दी अब तक राष्ट्रभाषा नहीं बन पाई है। कुछ लोग कहते हैं कि गैर हिन्दी विशेषकर दक्षिण भारत के लोगों के विरोध के कारण हिन्दी को उसका वास्तविक स्थान नहीं मिल पाया है, परन्तु यह कथन उचित नहीं लगता, क्योंकि महात्मा गांधी गुजरात से थे तथा उनकी मातृभाषा गुजराती थी, फिर भी वह हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाए जाने के प्रबल समर्थक थे। महाराष्ट्र के वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए महात्मा गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि देश कि बहुसंख्यक आबादी न केवल हिन्दी

लिखती–पढ़ती, अपितु भाषाई समझ रखती है, इसलिए हिन्दी ही देश की राष्ट्र भाषा होनी चाहिए। उनका मानना था कि स्वतंत्रता के पश्चात यदि हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाया जाता है, तो देश की बहुसंख्यक जनता को आपत्ति नहीं होगी। इसी प्रकार दक्षिण भारत के राजनेता राजगोपालाचार्य भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में देखना चाहते थे। उनके अनुसार हिन्दी में ही देश की राष्ट्र भाषा होने के सभी गुण हैं। सीमान्त गांधी के नाम से प्रसिद्ध खां अब्दुल गफ्फार खां भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के समर्थक थे। वास्तव में हिन्दी भारत की राष्ट्र भाषा नहीं बन पाई, तो इसके लिए अंग्रेजी मानसिकता वाले भारतीय नेता ही उत्तरदायी थे। देश में सदैव अंग्रेजी भाषा एवं हिन्दी भाषा को लेकर कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों द्वारा भ्रम की स्थिति उत्पन्न की गई। इसके कारण हिन्दी का प्रचार–प्रसार नहीं हो पाया। दिन–प्रतिदिन हिन्दी पिछड़ती गई, जबकि अंग्रेजी अपना वर्चस्व स्थापित करती गई। आज स्थिति यह है कि भारत के शिक्षित समाज में हिन्दी बोलने वाले लोगों को हेय दृष्टि से देखा जाता है। अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में पढ़ें। इसके लिए वे मोटी से मोटी फीस देने को तत्पर हैं। अंग्रेजी स्टेटस सिंबल बन गई है। बहुत से लोग मानते हैं कि अंग्रेजी उन्नति की भाषा है। अंग्रेजी के बिना कोई उन्नति नहीं कर सकता, परन्तु ऐसा नहीं है। विश्व के अनेक देशों में लिपि के नाम पर केवल चित्रात्मक विधियां हैं, तब भी वे देश उन्नति के मामले में शीर्ष पर हैं। रूस, चीन, जर्मनी, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान, नीदरलैंड आदि देशों के उदाहरण सबके सामने हैं। सत्य तो यह है कि हिन्दी भारत की आत्मा, श्रद्धा, आस्था, निष्ठा, संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ी हुई भाषा है। भारत का दुर्भाग्य यह रहा है कि सहृदयता के नाम पर कुछ भारतीय प्रतिनिधि ही इसकी स्मिता की जड़ों को खोखला करने का कार्य करते आए हैं। हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप मे राष्ट्रीय स्वींति नहीं मिलने के पीछे भी इसी प्रकार की सोच वाले नेताओं की प्रमुख भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश इसी मानसिकता के लोगों का बाहुल्य आज भी कार्यपालिका से लेकर न्यायपालिका तक निर्णायक स्थिति में है। बोली की दृष्टि से हिन्दी विश्व में द्वितीय स्थान पर है, जबकि प्रथम बड़ी बोली मंदारीन है जिसका प्रभाव दक्षिण चीन के ही क्षेत्र में सीमित है। चूंकि उनका जनघनत्व और जनबल बहुत है। इस नाते वह विश्व की सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है, पर वह आचंलिक ही है। हिन्दी का विस्तार भारत के अतिरिक्त लगभग ४० प्रतिशत भू–भाग पर फैला हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग ७७ प्रतिशत लोग हिन्दी बोलते और समझते हैं। विश्व में लगभग ५० करोड़ लोग हिन्दी बोलते हैं। हिन्दी विश्व के १५० से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती है। देश का लगभग ६० प्रतिशत बाजार हिन्दी बोलने वाले लोगों का है। भारत विश्व में सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के नाते भी विश्व वाणिज्य की सभी संस्थाएं हिन्दी के प्रयोग को अपरिहार्य मान रही हैं। आज प्रत्येक कंपनी के विज्ञापन का आधार केवल हिन्दी है। इतना ही नहीं विदेशी कंपनियों के मोबाइल फोन भी हिन्दी में टाइपिंग की सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी हिन्दी का वर्चस्व दिखाई देता है। किन्तु किसी भाषा की सबलता केवल बोलने वाले पर निर्भर नहीं होती, अपितु उस भाषा में जनोपयोगी एवं विकास के कार्य कितने होते हैं, इस पर निर्भर होती है। उसमें विज्ञान, तकनीकि और श्रेष्ठतम आदर्शवादी साहित्य की रचना कितनी होती है? साथ ही तीसरा एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उस भाषा के बोलने वाले लोगों का आत्मबल कितना महान है? परन्तु यह भारत का दुर्भाग्य ही है कि हिन्दी अपने ही देश में तुच्छ समझी जा रही है। हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपना आत्मविश्वास जगाएं और अपने भारत पर अभिमान करें। हम विश्व में श्रेष्ठतम भाषा विज्ञान एवं परंपराओं वाले देश के नागरिक हैं। केवल हीन भावना के कारण हम स्वयं को तुच्छ समझ रहे हैं, अपितु आज के इस वैज्ञानिक युग में भी संस्कृत का भाषा विज्ञान कंप्यूटर के लिए सर्वोत्तम पाया गया है। यद्यपि सरकारी स्तर पर हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष १४ सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन अर्थात १४ सितम्बर १९४९ को संविधान सभा ने हिन्दी को केन्द्र सरकार की आधिकारिक भाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिन्दी को देश के अधिकतर क्षेत्रों में हिन्दी बोली एवं पढ़ी जाती है, इसलिए हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया था। यह भारतीय संविधान के भाग–१७ के अध्याय की अनुच्छेद–३४३(१) में वर्णित है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अन्तरराष्ट्रीय होगा। हिन्दी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए वर्ष १९५३ से देशभर में १४ सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान हिन्दी निबन्ध लेखन, वाद–विवाद, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही १४ सितम्बर से हिन्दी सप्ताह मनाया जाता है। इस पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। हिन्दी दिवस पर हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। राष्ट्रभाषा गौरव पुरस्कार तकनीकी या विज्ञान के विषय पर लिखने वाले किसी भी भारतीय नागरिक को प्रदान किया जाता है। इसमें दस हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये के १३ पुरस्कार होते हैं। इसमें प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले को दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले को डेढ़ लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले को ७५ हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। साथ ही दस लोगों को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में दस–दस हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले लोगों को धनराशि के साथ प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भी प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य तकनीकी एवं विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी भाषा को आगे बढ़ाना है। राष्ट्रभाषा कीर्ति पुरस्कार किसी विभाग, समिति, मंडल आदि को उनके द्वारा हिन्दी में किए गए श्रेष्ठ कार्यों के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार के अंतर्गत कुल ३६ पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि स्वतंत्रता के लगभग साढ़े सात दशक बाद भी देश की अपनी राष्ट्र भाषा नहीं है। जब देश का एक राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय प्रतीक है। यहां तक कि राष्ट्रीय पशु–पक्षी भी एक है, तो ऐसे में महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि देश की अपनी राष्ट्र भाषा क्यों नहीं होनी चाहिए? भारतीय भाषाओं को अंग्रेजी की पिछलग्गू भाषा के रूप में क्यों बने रहना चाहिए? इस पर विचार किया जाना चाहिए। देशहित में हिन्दी को न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका की भाषा बनाया जाना चाहिए। (लेखक– मीडिया शिक्षक एवं राजनीतिक विश्लेषक है)

कृष्ण जन्मभूमिः सुन्नी वक्फ बोर्ड को नहीं पहुंचा नोटिस, ३ अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि–शाही मस्जिद ईदगाह मामले में मथुरा की एक स्थानीय अदालत ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को नोटिस नहीं पहुंच पाने के कारण मंगलवार को मामले की सुनवाई तीन अक्टूबर तक के लिए टाल दी। जिला शासकीय अधिवक्ता संजय गौड़ ने बताया कि अपर जिला जज संजय चौधरी ने याचिकाकर्ताओं को आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक संबंधित नोटिस उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को सुपुर्द करना सुनिश्चित किया जाए। याचिकाकर्ताओं जय भगवान गोयल और अधिवक्ता राजेंद्र माहेश्वरी तथा महेंद्र प्रताप सिंह ने २३ दिसंबर २०२० को यह वाद दायर किया था। शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन समिति, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान इस मामले में पक्षकार हैं। याचिकाकर्ता अधिवक्ता राजेंद्र माहेश्वरी ने बताया कि २१ जुलाई २०२२ को मामले की सुनवाई के दौरान सिविल जज (सीनियर डिविजन) ज्योति सिंह ने मामले की पोषणीयता पर पहले सुनवाई करने के आदेश दिए थे जबकि याचिकाकर्ता चाहते थे कि शाही मस्जिद ईदगाह का सर्वे पहले कराया जाए। उन्होंने बताया कि इसके बाद २५ जुलाई को जिला एवं सत्र जज की अदालत में एक पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई थी और उत्तरदाताओं को नोटिस जारी की गई थी। आज सुनवाई के दौरान शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंधन समिति तथा अन्य पक्ष अदालत में हाजिर हुए क्योंकि उन्हें नोटिस मिल चुका था जबकि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड का कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ क्योंकि उसे अभी नोटिस नहीं भेजा जा सका है। माहेश्वरी ने बताया कि इसके मद्देनजर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख तीन अक्टूबर तय की है।

सिपाही ने मंगेतर को उतारा मौत के घाट

लखनऊ। इटावा के सिविल लाइन थानाक्षेत्र अंतर्गत लायन सफारी के पास एक सिपाही ने अपनी मंगेतर की हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने घटना के चंद घंटों में ही आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी अनुसार सशस्त्र सुरक्षा बल में तैनात सिपाही नीलेश जाटव की तैनाती अरुणाचल प्रदेश में है। नीलेश ने मंगेतर अर्चना को लायन सफारी के पास बातचीत के लिए बुलाया था। जहां पर उसने उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजान देने के बाद हत्यारोपी मौके से फरार हो गया। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। एसएसपी जयप्रकाश के निर्देशन में एसपी सिटी कपिल देव सिंह, सीओ सिटी अमित कुमार सिंह, सिविल लाइन पुलिस ने घटना के महज चंद घंटों के अंदर ही हत्यारोपी नीलेश जाटव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी नीलेश जाटव ने बताया कि वह किसी और लड़की से शादी करना चाहता था। परिजनों के दबाव में शादी तय की थी। बताया जा रहा है कि नीलेश शादी के लिये अपनी मंगेतर के पिता से साढ़े सात लाख रुपये ले चुका था। मृतका के पिता यूपी पुलिस में बरेली में तैनात हैं।

४८ घंटे की मस्तिष्क सर्जरी सफल

लखनऊ। मस्तिष्क की गांठ (ब्रेन एन्यूरिज्म) को ठीक करने के लिए एक महिला को ४८ घंटे की जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा। इसको लखनऊ के अपोलोमेडिक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक किया। ब्रेन एन्यूरिज्म मस्तिष्क में रक्त वाहिका में एक उभार या गुब्बारा है। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ, डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, हमने एक महिला की जान बचाई, जो एक स्केच आर्टिस्ट है। वह न केवल अपनी जानलेवा स्थिति से उबर गई, बल्कि उसकी आंखों की रोशनी भी वापस आ गई। ४० वर्षीय महिला को छृष्टि की हानि के साथ आपात स्थिति में भर्ती कराया गया था। अपोलोमेडिक्स अस्पताल में न्यूरोसर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सुनील कुमार सिंह ने कहा, "मरीज जब अस्पताल आया था, उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। रोगी के मस्तिष्क में एक ट्यूमर विकसित हो गया था जो किसी भी मिनट फटने वाला था, जिससे मस्तिष्क में अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता था। डॉ. सोमानी ने कहा, "सर्जरी में ५० डॉक्टर और पैरामेडिक्स शामिल थे और इसमें लगभग ४८ घंटे लगे। पूरी टीम ने अथक परिश्रम किया और मरीज की जान बचाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।

यूपी पुलिस भी नियम से बंधे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पुलिस कर्मियों पर सख्ती के लिए नियमों की सूची जारी की है। कानून और व्यवस्था के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा है कि वर्दी की गरिमा के साथ समझौता करने वाली किसी भी चीज की अनुमति नहीं दी जाएगी। उत्तर प्रदेश में रील्स बनाने, फिल्मों के डायलॉग्स और गानों पर लिपसिंग करने और वर्दी में नाचते और गाते हुए वीडियो अपलोड करने वाले पुलिसकर्मियों पर अब कड़ी कार्रवाई होगी। यही नहीं उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोशल मीडिया पर सक्रिय कर्मियों के लिए नियमों की सूची जारी की है। पुलिस विभाग पहली बार सोशल मीडिया के उपयोग के संबंध में एक विस्तृत आचार संहिता लेकर आया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चूंकि सोशल मीडिया पर हर पोस्ट्/वीडियो को लोग आसानी से एक्सेस कर सकते हैं, इसलिए पुलिस के लिए सोशल मीडिया के नियम बनाना जरूरी था। पुलिसकर्मियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि खाकी में अपनी तस्वीरें/वीडियो न लगाएं और न ही अपने हथियारों को प्रदर्शित करें।

आनंद गिरि की जमानत याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की कथित आत्महत्या के मामले में आरोपी आनंद गिरि की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। अदालत ने बुधवार को जमानत याचिका पर निर्णय सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति एस के सिंह ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा, याचिकाकर्ता के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं और इसलिए उसकी जमानत की अर्जी मंजूर नहीं की जा सकती। याचिकाकर्ता ने अपनी जमानत की अर्जी में कहा था कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है और जिस कथित सुसाइड नोट में उसके नाम का उल्लेख है, उसकी लिखावट नरेंद्र गिरि की नहीं थी और उस नोट में कई काट छांट और ओवरराइटिंग थी। याचिकाकर्ता ने यह दलील भी दी थी कि घटना के समय वह प्रयागराज से बहुत दूर हरिद्वार में था और पुलिस अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी उसे फोन पर दी थी। उल्लेखनीय है कि यहां की एक स्थानीय अदालत ने ११ नवंबर, २०२१ को आनंद गिरि की

जमानत याचिका खारिज कर दी थी। महंत नरेंद्र गिरि का शव २० सितंबर, २०२१ को प्रयागराज में उनके मठ बाघंबरी गद्दी में पंखे से लटका हुआ पाया गया था। पुलिस को शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला था जिसमें आनंद गिरि, आद्या तिवारी और संदीप तिवारी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया था।

यूपी में शिक्षकों को अंग्रेजी बोलने की ट्रेनिंग!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सरकारी कलेजों के शिक्षकों को अनलाइन स्पोकन इंग्लिश ट्रेनिंग देने का फैसला किया है। यह राज्य में अंग्रेजी शिक्षा को मजबूत करने का एक प्रयास है। पाठ्यक्रम को अंग्रेजी भाषा का वातावरण प्रदान करने और अंग्रेजी भाषा को सुनने और बोलने का पर्याप्त अभ्यास प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम से ३०,००० शिक्षकों और यूपी माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा नौ से १२ तक नामांकित एक करोड़ से अधिक छात्रों को लाभ होगा। अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान (ईएलटीआई), प्रयागराज द्वारा विकसित, यूपी स्टेट काउंसिल अफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग की एक इकाई, अनलाइन अंग्रेजी पाठ्यक्रम में प्रत्येक में १० मिनट के १३२ मड्यूल हैं। ईएलटीआई के प्रिंसिपल स्कंद

शुक्ला ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निजी क्षेत्र के मौजूदा पाठ्यक्रमों से अलग है जो आवश्यक व्याकरण, वाक्य रचना, सामान्य त्रुटियों और बातचीत– अभ्यास का ज्ञान प्रदान करता है और ब्रिटिश उच्चारण के आधार पर सामान्य भारतीय अंग्रेजी का भी पालन करता है।

महिला से दोस्ती कर बना रहा था शारीरिक संबंध का दबाव

लखनऊ। गुडंबा इलाके में रहने वाली विवाहिता से आरोपी किराना स्टोर संचालक दोस्ती की फिर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने विरोध जताया तो आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की योजना तैयार की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता स्थानीय इलाके के कल्याणपुर पुरानी बस्ती में रहती है। घरेलू कार्य कर परिवार का भरण–पोषण करती है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वीरेंद्र कुमार निवासी आदर्शनगर कल्याणपुर गुंडबा की किराने की दुकान है। इस दौरान उसकी वीरेंद्र से दोस्ती हो गई। वह घर आने लगा तो पति से दोस्ती कर ली। इस दौरान आरोपी से फोन, वाट्सएप व फेसबुक समेत सोशल साइट्स पर बातचीत होने लगी। इससे पीड़िता को आरोपी पर विश्वास हो गया। जिसके चलते आरोपी वीरेंद्र ने पर्सनल फोटो ले ली। साथ ही वायरल की धमकी देकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने इंकार किया तो आरोपी ने उसके नाम से फर्जी आइडी बना ली। इसके फोटो शेयर कर अभद्र टिप्पणियां की। इससे आहत पीड़िता ने स्थानीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर का कहना है कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ज्ञानवापी मामले में फैसले से पहले कड़ी सुरक्षा में है शहर

लखनऊ। ज्ञानवापी मामले में थोड़ी ही देर में फैसला आने वाला है। इसके ठीक पहले यूपी की राजधानी लखनऊ में पुलिस और पीएसी के जवानों ने फ्लैग मार्च किया। उनका यह मार्च सुरक्षा के लिहाज से निकला गया है। ज्ञानवापी मामले में फैसला आने से पहले पुलिस ने लखनऊ में फ्लैग मार्च निकाला है। अब से कुछ देर में ज्ञानवापी मामले पर एक अहम फैसला आने वाला है। लखनऊ के पुलिस आयुक्त एसबी शिराडकर ने कहा, 'हमने लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए फ्लैग मार्च किया.' बताते चलें की वाराणसी में श्रृंगार गौरी और ज्ञानवापी मामले को अदालत में सुना जाएगा या नहीं इसको लेकर जल्द ही जिला अदालत अपना फैसला देगी। वाराणसी में धरा १४४ लागू है और पूरे प्रदेश में पुलिस हर कोने में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर चुकी है।

१६ हजार ईंट-भट्टा मालिक ने किया काम बंद करने का ऐलान

लखनऊ। भवन निर्माण में प्रयोग होने वाली ईंट आज से पांच दिन यानि १२ से १७ सितम्बर तक मिलनी मुश्किल होगी। क्योंकि ईंट-भट्ठों से इनकी बिक्री बंद हो गयी है। जीएसटी काउंसिल के फैसलों के खिलाफ और बिजनेस के लिए सरल नियम बनाने की मांग को लेकर यूपी ईंट-भट्ठा मालिक कोई बिक्री नहीं करेंगे। लखनऊ ब्रिक किल्न एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने बताया कि १६ हजार ईंट-भट्ठ्टा मालिक ने अपना काम बंद करने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि यूपी में ३८ लाख लोग ईंट-भट्ठा कारोबार से जुड़े है। ईंट भट्ठा मालिकों ने पहले ही मांगों को लेकर अक्टूबर २०२२ से सितंबर २०२३ तक अपने ईंट भट्ठा का काम पूरी तरह से बंद रखने का ऐलान कर चुके हैं। आंदोलन के उसी कड़ी में अगले पांच दिनों तक कोई बिक्री न करने का फैसला किया है। भट्ठा मालिकों का कहना है कि पिछले पांच महीने में ५० हजार से ज्यादा आवेदन दिए गए हैं। उसके बाद भी सरकार

ने हमारी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया है। ऐसे में अब आंदोलन के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। भट्ठा मालिकों के काम बंद करने से यूपी सरकार के राजस्व पर भी बड़ा असर पड़ेगा। ईंट-भट्ठा एसोसिएशन का कहना है कि उनके कारोबार पर भी ळैज १२ः कर दी गई है। इससे भी नुकसान और लागत बढ़ गई है। भट्ठा मालिकों का कहना है कि एमएसएमई की गाइड लाइन के अनुसार १२ लाख टन कोयला मिलना चाहिए। मगर कारोबारियों को महज ७४ हजार टन देशी कोयला दिया जाता है। उसकी क्वालिटी भी बहुत खराब होती है। बाकी करीब ११ लाख टन विदेशी कोयला खरीदना पड़ता है। स्थिति यह है कि जो कोयला ६००० रुपए टन मिलता था उसके लिए अब १८ से २७ हजार रुपए का भुगतान करना पड़ रहा है।

राजधानी में कानून-व्यवस्था धराशायी पीजीआई में दिनदहाड़े चले लाठी-डंडे व लात-घूंसे

लखनऊ। राजधानी में कानून-व्यवस्था धराशायी हो गई है। गत रविवार को शहर के दो अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी विवाद को लेकर जमकर लाठी-डंडे व लात-घूंसे चले। पीजीआई में गाड़ी खरीदने गए युवक को टेस्ट ड्राइव के दौरान कंपनी के कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह ने बताया कि आशियाना के मानसरोवर योजना निवासी सचिन रावत रविवार को करीब २ऱू३० बजे पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड़ स्थित हैवतमऊ मवैया कियारा टीवीएस एंजेसी शोरूम में अपाचे बाइक खरीदने गए थे। बाइक पसंद करने के बाद सचिन ने टेस्ट ड्राइव के लिए बोला, तो शोरूम का कर्मचारी चंदन उर्फ सूर्या सिंह भी उसके साथ गया। टेस्ट ड्राइव लेकर लौटने पर सचिन ने बाइक खरीदने से मना कर दिया। इस बात से खिन्न होकर चंदन ने

शोरूम के सामने ही सचिन को अपशब्द बोलते हुए पीटना शुरू कर दिया और कहा कि 'गाड़ी खरीदने की औकात नहीं, बेवजह टाइम खराब क्यों किया?' सचिन जब जान बचाकर जाने लगा तो चंदन ने उसकी बाइक गिरा दी। सचिन ने विरोध किया तो चंदन ने अपने तीन साथियों शिवम सिंह, अभिषेक पांडेय व शिवम शुक्ला को बुलाकर सचिन की जमकर लाठी-डंडे, लात-घूंसे और बेल्ट से पिटाई कर दी। मौके मौजूद लोगों के बीच-बचाव करने पर सचिन की जान बच सकी। सचिन ने चंदन और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और जातिसूचक शब्द कहने का आरोप लगाते हुए एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीजीआई कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। शोरूम के सामने का सीसीटीवी फुटेज जांचा जा रहा है।

निर्माणाधीन फॉरेंसिक लैब की शटरिंग गिरी, एक मजदूर की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की निर्माणाधीन इमारत में शटरिंग गिरने से एक मजदूर की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये। पुलिस के अनुसार सरोजनी नगर इलाके में निर्माणाधीन इमारत में देर शाम शटरिंग टूट कर गिर गयी। इसके नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गयी। वहीं, चार अन्य मजदूर घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि घायलों को प्रसाद अस्पताल में इलाज के लिये भेजा गया है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस घटना पर संज्ञान लिया है। योगी ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए घायलों का समुचित उपचार कराने के जिला प्रशासन को निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही उन्होंने जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को

मौके पर तत्काल पहुंचने और राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने को कहा है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने एवं इस घटना की जांच उच्चस्तरीय समिति से कराने को भी कहा है।

सुभासपा विधायक पर टिप्पणी के मामले में पूर्व सांसद को मिली धमकी, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मऊ के पूर्व सांसद हरि नारायण राजभर को एक धमकी भरा फोन आया है। यह क ल उन्हें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर व उनकी पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी पर टिप्पणी के बाद मिली है। अज्ञात व्यक्ति के आए फोन क ल की शिकायत पूर्व सांसद ने गोमती नगर थाना पुलिस से की है। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूर्व सांसद हरि नारायण राजभर ने बयान दिया था कि मऊ विधायक ने सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर के घर पर शरण ली हुई है। इस मामले में उन्हें पूर्व सांसद को धमकी भरा फोन तब आया जब वह गोमती नगर के विराम खंड इलाके में अपने आवास पर आने वाले लोगों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को उनके पास एक अज्ञात फोन आया। क ल करने वाले ने उनसे पूछा कि उन्होंने अंसारी के बारे में अपमानजनक बयान क्यों दिया। फोन करने वाले ने उन्हें इसके लिए भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी दी। इस धमकी भरे क ल को लेकर उन्होंने गोमतीनगर थाने में शिकायत की, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्राची सिंह ने कहा कि हरि नारायण राजभर की शिकायत के आधार पर अज्ञात शख्स पर आपराधिक धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, हम फोन करने वाले का पता लगा रहे हैं।

छात्रा ने की थी खुदकुशी की कोशिश

लखनऊ। एमिटी यूनिवर्सिटी से बीक म कर रही छात्रा का वीडियो आज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में छात्रा अस्पताल में भर्ती दिखाई पड़ रही है और अपनी आपबीती किसी को सुना रही है। इस आपबीती का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। जिसके बाद इस मामले में पुलिस ने छात्रा के भाई की तहरीर पर छरूलोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के लिये बता दें कि यह पूरा मामला ८ सितंबर का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, एमिटी यूनिवर्सिटी से बीक म कर रही छात्रा का विवाद साथ में रहने वाली दूसरी छात्रा से हो गया था। आरोप है कि रूममेट व उसके साथियों ने पीड़ित छात्रा को धमकी दी,जिससे घबरा कर पीड़ित छात्रा ने दवाओं की अधिक मात्रा खा लिया,जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गयी । इलाज के लिए पीड़ित छात्रा को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि पीड़ित छात्रा के एक दोस्त ने अस्पताल में बातचीत का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह के मुताबिक पीड़ित छात्रा पढ़ाई कर रही थी। हास्टल में उसकी रूम मेट दूसरी छात्रा मोबाइल पर बात कर रही थी। इसी दौरान मोबाइल पर बात पर विवाद हो गया। जिसके बाद पीड़ित छात्रा ने दवा खा ली, जिससे उसकी हालत बिगड़ गयी।

युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। युनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस के राजधानी स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में आज कर्मचारियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है।

युनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस के पार्क रोड, अलीगंज व हजरतगंज स्थित कार्यालयों में संयुक्ता मोर्चा बनाकर कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर केंद्र सरकार पर हठधर्मिता पूर्ण रवैये का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि एलआईसी की तुलना में साधारण बीमा कर्मचारियों को वेतन वृद्धि प्रस्ताव में असमानता है,इसके अलावा एनपीएस अंशदान को १० प्रतिशत से बढ़ाकर १४ प्रतिशत और परिवार पेंशन को १५ से ३० प्रतिशत करने में बिलम्ब किया जा रहा है। साधारण बीमा युनियन के संयुक्त मोर्चा के जी एस सिंह ने बताया कि हमारी केंद्र सरकार से तीन सूत्रिये मांगे हैं। जिसमें प्रमुख रूप से साधारण बीमा की सभी कंपनियों का विलय कर एक निगम बनाया जाये, भारत सरकार सभी सरकारी बीमा कंपनियों को हर स्तर पर समान अवसर पर प्रदान करे। इसके अलावा निजी साधारण बीमा कंपनियों में सीएजी अ डिट कराये। प्रदर्शन के दौरान युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के जी एस सिंह, संजीव शर्मा, दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, अमर शर्मा, अरून सिक्का, नीरज वर्मा, अंकुर कपूर समेत कई लोग शामिल रहे।

राजधानी के होटल में मिला युवती का शव

लखनऊ। राजधानी के कैसरबाग स्थित बांस मंडी के एक होटल में एक युवती का शव मिला है। पुलिस

ने इस मामले में एक युवक को हिरासत में लिया है। युवती का प्रेमी बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि युवती करीब दो दिन से रुकी हुई थी। इस मामले में एक अन्य शख्स की तलाश पुलिस कर रही है। दरअसल आज बांस मंडी इलाके में स्थित होटल जस्ट ६ के कमरा नंबर ६२४ के बाथरूम से एक शव बरामद हुआ है। शव की पहचान चंद्रा त्रिपाठी के रूप में हुई है। चंद्रा त्रिपाठी गुरुद्वारा रोड की रहने वाली बताई जा रही है। दो दिन पहले नितिन द्विवेदी नाम के युवक ने कमरा बुक कराया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

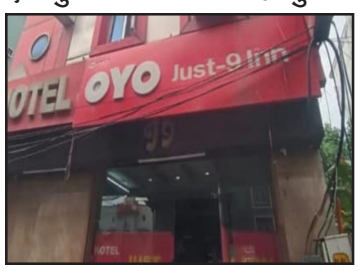

घरेलू विवाद में ससुर को लाठी-डंडे से पीटा

लखनऊ। मड़ियांव कोतवाली क्षेत्र में पत्नी से घरेलू विवाद में बीचबचाव करने पर सिरफिरे युवक ने अपने ही बुजुर्ग ससुर को लाठी-डंडे से बुरी तरह पीट दिया। घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए मड़ियांव के प्रियदर्शनी कालोनी के सेक्टर-बी की निवासी कविता रस्तोगी ने बताया कि उसका उसके पति शिवशंकर रस्तोगी से कुछ विवाद था। शिवशंकर आये दिन उससे मारपीट करता था। जिसके कारण वह पति का घर छोड़ अपने मायके में आकर रहने लगी थी। पति ने कई बार वापस घर बुलाने की कोशिश की पर कविता ने मना कर दिया। शिवशंकर अपने ससुराल पहुंचा और कविता को जबरन घर वापस ले जाने का प्रयास करने लगा। कविता के पिता राम मनोहर सोनी बीचबचाव के लिए आए तो शिवशंकर ने उनपर लाठी-डंडे से हमला बोल दिया और पिटाई कर मौके से फरार हो गया। मड़ियांव कोतवाली प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि शिवशंकर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जूही चावला भी दिखेंगी वेब सीरीज में

मुम्बई। एक समय था जब बहुत से ऐसे लोगों को जो फिल्मों में नहीं चल पाते थे या जिन्हें फिल्मों में काम मिलना कम हो जाता था, उन्हें टीवी पर काम मिल जाता था। कभी फिल्मों में हीरो रहे नवीन निश्चल, विजय अरोड़ा, परीक्षित

साहनी, कंवलजीत, फारुख शेख जैसे अभिनेता या शशिकला जैसी प्रतिष्ठित अभिनेत्री इसके उदाहरण थे। अब यह काम ओटीटी प्लेटफॉर्म कर रहे हैं। ऐसे बहुत से लोग जिन्हें फिल्मों में कभी-कभार ही काम मिल पाता था और जो टीवी सीरियलों में आने से बचते थे, उनके लिए ओटीटी ने बड़े पैमाने पर संभावनाएं पैदा कर दी हैं। इन दिनों कलाकारों का एक बड़ा वर्ग है जिसका काम केवल वेब सीरीज से ही चल रहा है। जब वे केवल फिल्मों के भरोसे थे तब उन्हें अक्सर खाली बैठना पड़ता था। अब वह खाली समय काम से भर गया है। उलटे अब यह हो रहा है कि वेब सीरीज बनाने वाले लोग, संभव हो तो, रुटीन कलाकारों को छोड़ बड़े अभिनेता और अभिनेत्रियों को लेने की फिराक में रहते हैं। हम माधुरी दीक्षित को 'द फेम गेम' में देख चुके हैं। उनके पास फिल्में बहुत कम हैं और वे टीवी शो आदि से काम चला रही हैं। ऐसे में उन्हें यह वेब सीरीज मिली जिसका वैसा प्रभाव नहीं पड़ा जिसकी उम्मीद की गई थी। इस मामले में अब माधुरी के समय की दूसरी मशहूर अभिनेत्री जूही चावला का नंबर है। जल्दी ही वे 'हश हश' नाम की एक वेब सीरीज में दिखेंगी। जूही का फिल्मों में दिखना कम हुआ तो वे शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज में पार्टनर बन गईं। फिर जब शाहरुख ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम की मिल्कियत हासिल की तो वे, बजरिये अपने पति जय मेहता, उसमें भी पार्टनर थीं। लेकिन जबसे आईपीएल के खिलाड़ियों की नीलामी में और कोलकाता नाइट राइडर्स के मैचों में शाहरुख के बेटे आर्यन के साथ उनकी बेटी झानवी मेहता जाने लगीं, तब से जूही के पास फुर्सत के पल बढ़ गए। यह वेब सीरीज महिलाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाली है। इसमें आयशा जुल्का, सोहा अली खान और करिश्मा तन्ना भी दिखाई देंगी। इस सीरीज को इस लिहाज से भी अनोखा कहा जा सकता है कि इसे पूरी तरह महिलाएं ही बना रही हैं। तनूजा चंद्रा के निर्देशन में बन रही इस वेब सीरीज का पूरा क्रू महिलाओं का है। तनूजा की मां कामना चंद्रा भी लेखिका थीं, अमेरिका में रहने वाले उनके भाई विक्रम चंद्रा भी लेखक हैं और उनकी बहन अनुपमा चोपड़ा जानी-मानी फिल्म समीक्षक हैं। निर्माता निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा इन्हीं अनुपमा के पति हैं।

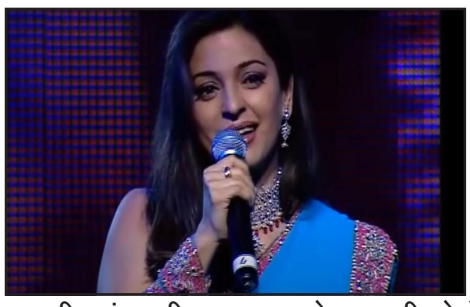

ओटीटी पर अपराध का बोलबाला

ओटीटी पर हिंदी सामग्री देखने वालों के लिए एप्लॉज एंटरटेनमेंट एक जाना-पहचाना नाम है। यह कंपनी अब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या पर एक वेब सीरीज बनाने जा रही है। सन १९९२ में लोकसभा चुनावों के बीच तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में राजीव गांधी को लिट्टे से संबंधित एक महिला ने उनका अभिवादन करते हुए बम विस्फोट कर दिया था। इसमें कुल सोलह लोग मारे गए थे जिनमें खुद सुसाइड ब म्बर भी शामिल थी। यह वेब सीरीज पत्रकार अनिरुध्य मित्रा की किताब 'नाइन्टी डेजरूद ट्रू स्टोरी ऑफ द हंट फॉर राजीव गांधीज असेसिन' पर आधारित होगी जिसे नागेश कुक्कुनूर निर्देशित करेंगे। अनिरुध्य असल में राजीव गांधी की हत्या की खबर सबसे पहले ब्रेक करने वाले पत्रकारों में थे और बाद में भी वे इस केस का फ लोअप करते रहे थे। उनकी किताब में बताया गया है कि किस तरह सीबीआई की एसआईटी ने इस कांड की साजिश को उजागर किया और अपराधियों तक पहुंची। जितने भी ओटीटी प्लेटफ र्म देश में उपलब्ध हैं उनमें नई फिल्मों और नई वेब सीरीज के नाम पर जो कुछ भी आ रहा है उसमें अपराध आधारित सामग्री सबसे ज्यादा है। हाल में ब लीवुड की तीन फिल्में राजकुमार राव की 'हिट', आलिया भट्ट की 'डार्लिंग्स' और अक्षय कुमार की 'कठपुतली' ओटीटी पर आईं और ये तीनों ही अपराध के गिर्द घूमती हैं। फिर आदिल हुसैन की एक फिल्म आई है 'लोरनी द फ्लेन्यूर।' खासी

भाषा की यह फिल्म बाकी फिल्मों से कहीं बेहतर और अपेक्षोंत ठहराव लिए हुए है, मगर है यह भी अपराध आधारित। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' का नया सीजन तो नाम से ही जाहिर है कि अपराध पर है। यहां तक कि हुमा कुरैशी की प्रभावशाली सीरीज 'महारानी' का दूसरा भाग भी पहले की तरह राजनीति और उसमें होने वाले अपराधों पर केंद्रित है। आप गौर करें तो पाएंगे कि परदे पर ऐसी सामग्री का प्रतिशत बहुत ही कम है जिसमें अपराध बिलकुल नहीं हो। जो हमारे रोजमर्रा के जीवन, हमारे सपनों, हमारी तकलीफों, हमारे प्रेम, हमारी सफलताओं और हमारी विफलताओं पर आधारित हो। दृश्य कुछ ऐसा हो गया है कि जैसे अपराध के अलावा जिंदगी में देखने, सुनने और पढ़ने को ज्यादा कुछ नहीं बचा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckt ibl
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
c;jk phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178
Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक